अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की डेस्क से

2 अप्रैल, 2025

मेरे प्रिय साथियों,

मैंने 21 मार्च, 2025 से एचसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला है और मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। मेरा पूरा ध्यान इस कंपनी को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाना, कल्याण को बढ़ावा देना और कर्मचारियों को अपनी पूरी क्षमता हासिल करने पर होगा।

एक और वित्तीय वर्ष समाप्त होने के साथ ही नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत हो गई है, मैं इस अवसर पर आप सभी को पिछले वर्ष की उपलब्धियों, जो आपने सभी बाधाओं के बावजूद हासिल की हैं, के लिए बधाई देता हूँ। अंग्रेजी में एक कहावत है ''When going gets tough, tough gets going'' यह हमारा सामूहिक प्रयास और अटूट ''टीम'' भावना ही है जिसने हमेशा इस कंपनी को विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने में मदद की है। मैं अपने सभी Stakeholders को भी हर समय कंपनी के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

भारत के ''अमृत काल'' में प्रवेश करने के साथ ही, जो एक सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था को दर्शाता है, HCL देश के ताम्र अयस्क का sustainable खनन करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कटिबद्ध है। सभ्यताओं में मानव जाति के लिए ज्ञात सबसे बहुमुखी धातुओं में से एक तांबे को दुनिया भर में इसके Eternal properties/ Divine metal के लिए स्वीकार किया जाता है। हमारा ''विकसित भारत'' जोकि आत्मनिर्भर, समृद्ध और लचीले भारत के दृष्टिकोण का प्रतीक है, उसमे तांबा हमारे राष्ट्र को विकास की ओर अग्रसर करने वाली ''जीवन शक्ति'' है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटलीकरण, दूरसंचार, Refrigeration, परिवहन, रेलवे, वास्तुकला, निर्माण, रक्षा, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र जैसे विविध उद्योगों के व्यापक स्पेक्ट्रम में होता है। यहां तक कि स्वास्थ्य सेवा में भी, तांबे के आयनों के उल्लेखनीय रोगाणुरोधी गुणों के कारण तांबे की खपत में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, जैसे-जैसे वैश्विक अर्थव्यवस्था Energy transition के माध्यम से 'शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन' (Net Zero Carbon Emissions) की ओर बढ़ती जा रही है, तांबे की भूमिका जोकि एक कुशल प्रवाहकीय सामग्री है, हरित ऊर्जा के क्षेत्र में और महत्वपूर्ण होती जा रही है। ''निम्न कार्बन अर्थव्यवस्था'' और ''इलेक्ट्रिक वाहनों'' में तांबे के उपयोग पर जोर के कारण दीर्घकाल में तांबे की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है।

चूंकि राष्ट्र आने वाले समय में तांबे की बढ़ती मांग के लिए तैयार है, अत: एचसीएल का लक्ष्य युद्ध स्तर पर अपनी खनन क्षमता को बढ़ाना है ताकि आयात को कम करने में मदद मिल सके और विविध डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को तांबे की अधिक विश्वसनीय आपूर्ति की पेशकश की जा सके, जो सरकार के ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' के स्पष्ट आह्वान के अनुरूप है।

मैं कॉपर परिवार के प्रत्येक सदस्य से अनुरोध करता हूँ कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और समर्पण एवं आत्मानुशासन के साथ काम करें। जवाबदेही की सुदृढ़ भावना के साथ अपने लक्ष्यों और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। समूह प्रयास के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धता एक टीम को सफलतापूर्वक काम करने में सक्षम बनाती है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देना हमारे परिचालन का आधार होगा। कंपनी का लक्ष्य ''शून्य हानि की संस्कृति'' (Zero Harm Culture) हासिल करना है और IBM, DGMS, MoEF&CC इत्यादि जैसे वैधानिक संस्थानों द्वारा निर्धारित Sustainable Mining के Framework को पूरी लगन से पालन करके सतत खनन के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके अलावा, मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया अपने स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का ध्यान रखें। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी दौलत है। आपसे आग्रह है कि योग और व्यायाम को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएँ। स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए बहुत सारे फलों और सब्जियों के साथ संतुलित अल्प वसा युक्त भोजन लेना ज़रूरी है। जैसा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री का कहना है, मोटापे का मुकाबला करने हेतु हमारे भोजन में खाद्य तेल की खपत कम होनी चाहिए। स्वास्थ्य, शरीर और मन के पूर्ण सामंजस्य की स्थिति है। ध्यान का अभ्यास तनाव को कम करने, बेहतर ध्यान और सचेतनता का एक शक्तिशाली तरीका है। सफलता प्राप्त करने के लिए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना बहुत ज़रूरी है।

इस कंपनी के पास आने वाले वर्षों में असीमित संभावनाएं हैं। मुझे आपसे साझा करते हुए खुशी हो रही है कि ''एचसीएल'' ने चिली की सरकारी स्वामित्व वाली कॉपर माइनिंग कंपनी ''कोडेल्को'' के साथ एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किया हैं, जिसका उद्देश्य अन्वेषण, खनन और खनिज परिष्करण के साथ-साथ कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है। अपने एकीकृत प्रयास और प्रतिबद्धता के साथ, हम अपनी कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। जैसा कि नया वित्तीय वर्ष 2025-26 नई उम्मीदों और वादों के साथ शुरू हो रहा है, आइए हम एचसीएल के लिए एक शानदार भविष्य बनाने हेतु अपने सर्वोत्तम प्रयासों की पेशकश करने का संकल्प लें और इस प्रकार एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें।

मैं आपके और आपके परिवार के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी, शांति और समृद्धि की कामना करता हूँ।

आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूँ।

संजीव कुमार सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक